वनिोबा भावे जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **[आचार्य वनिोबा भावे की जयंती]** पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पति की तथा भारत के **आध्यात्मकि, सामाजकि और राजनीतकि परदिृश्य में उनके अद्वतिीय योगदान** को रेखांकति कयाि।

मुख्य बदिु

- **आचार्य वनिोबा भावे के बारे में:**

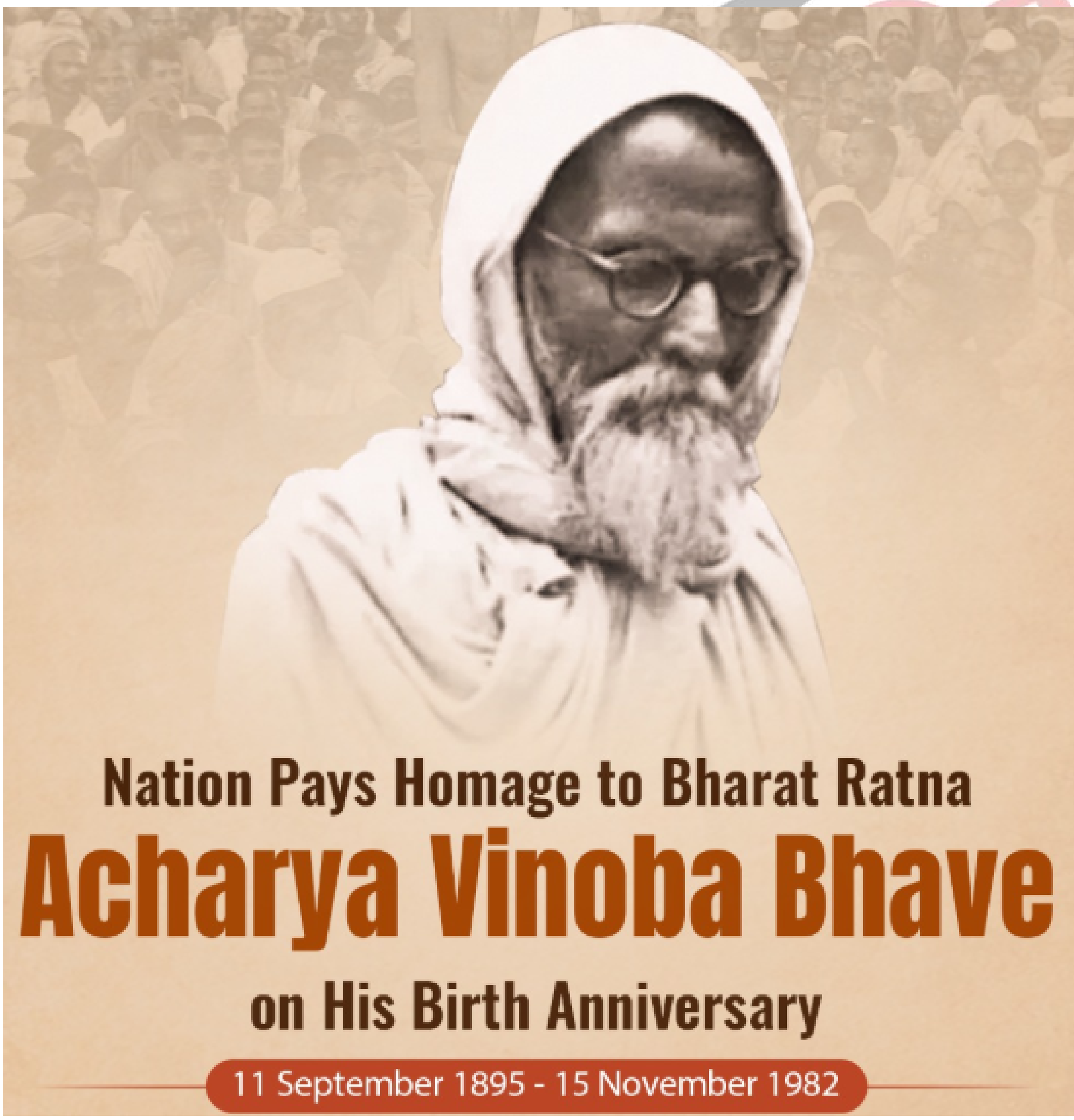

- **विनायक नरहरि भावे** का जन्म 11 सितंबर, 1895 को गागोडे, बॉम्बे प्रेसीडेंसी (वर्तमान महाराष्ट्र) में हुआ था।
- वह एक **स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और आध्यात्मिक शिक्षक** थे, जो **महात्मा गांधी** के अहिंसा तथा समानता के सिद्धांतों से बहुत प्रभावित थे।

- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - विनोबा भावे वर्ष 1958 में **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** प्राप्त करने वाले पहले भारतीय थे, जिन्हें यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिला।
  - उन्हें वर्ष 1983 में मरणोपरांत **भारत रत्न** (भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार) से भी सम्मानित किया गया था।
- **गांधी के साथ जुड़ाव:**
  - विनोबा भावे ने 7 जून, 1916 को गांधी से मुलाकात की और आश्रम में निवास किया।
  - आश्रम के एक सदस्य मामा फड़के ने उन्हें विनोबा (एक पारंपरिक मराठी विशेषण जो महान सम्मान का प्रतीक है) नाम दिया था।
  - 8 अप्रैल, 1921 को विनोबा भावे, गांधी के निर्देशों के तहत वर्धा में एक **गांधी-आश्रम का प्रभार** लेने के लिये गए।
  - वर्धा में अपने प्रवास के दौरान वर्ष 1923 में उन्होंने मराठी में एक मासिक '**महाराष्ट्र धर्म**' का प्रकाशन किया, जिसमें उपनिषदों पर उनके निबंध प्रकाशित किये गए थे
- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:**
  - उन्होंने **असहयोग आंदोलन** के कार्यक्रमों में भाग लिया और विशेष रूप से आयातित विदेशी वस्तुओं के स्थान पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का आह्वान किया।
  - वर्ष 1940 में उन्हें भारत में गांधीजी द्वारा ब्रिटिश राज के खिलाफ **पहले व्यक्तिगत सत्याग्रही** (सामूहिक कार्रवाई के बजाय सत्य के लिये खड़े होने वाले व्यक्ति) के रूप में चुना गया था।
  - उन्हें आचार्य (शिक्षक) की सम्मानित उपाधि दी गई थी।
- **भूदान आंदोलन:**
  - वर्ष 1951 में विनोबा भावे ने तेलंगाना के हिंसाग्रस्त क्षेत्र से पैदल अपनी शांति यात्रा शुरू की।
  - वर्ष 1951 में **तेलंगाना के पोचमपल्ली (Pochampalli) गाँव के** हरिजनों ने उनसे जीविकोपार्जन के लिये लगभग 80 एकड़ भूमि प्रदान कराने का अनुरोध किया।
  - विनोबा ने गाँव के **जमींदारों को आगे आने और हरिजनों को संरक्षित करने के लिये कहा।**
    - उसके बाद एक ज़मींदार ने आगे बढ़कर आवश्यक भूमि प्रदान करने की पेशकश की।
    - यह भूदान (भूमि का उपहार) आंदोलन की शुरुआत थी।
  - यह आंदोलन 13 वर्षों तक जारी रहा और इस दौरान विनोबा भावे ने देश के विभिन्न हिस्सों (कुल 58,741 किलोमीटर की दूरी) का भ्रमण किया।
  - वह लगभग **44 लाख एकड़ भूमि** एकत्र करने में सफल रहे, जिसमें से लगभग **13 लाख एकड़** भूमि को गरीब, भूमिहीन किसानों के बीच वितरित किया गया।
- **साहित्यिक रचना:**
  - उनकी महत्त्वपूर्ण पुस्तकों में **स्वराज्य शास्त्र, गीता प्रवचन और तीसरी शक्ति** आदि शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/birth-anniversary-of-vinoba-bhave